ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ ମୁକ୍ତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, ସମ୍ବଲପୁର, ଓଡ଼ିଶା
Odisha State Open University, Sambalpur, Odisha
Established by an Act of Government of Odisha.

ओड़ीशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय
संबलपुर, ओड़िशा

स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

Bachelor in Hindi

Semester – 03
(B.A.H.D.)

सत्रीय कार्य

Assignment

[प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें]

निर्देश

प्रिय विद्यार्थी ,

ओड़ीशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के स्नातक (सम्मान) कार्यक्रम में आपका स्वागत हैं ।

उपर्युक्त कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा मे सम्मिलित होने से पूर्व अपेक्षित है कि आप हर पाठ्यक्रम (course) हेतु नियत सत्रीय कार्य की प्रश्नावली का समुचित उत्तर लिखकर अपनी उत्तर पुस्तिका अपने अध्ययन केंद्र में नियत तिथि के अंदर जमा कर दें, बिना सत्रीय कार्य पूर्ण किए आप सत्रांत परीक्षा के लिए अयोग्य माने जाएंगे। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए कुल (सत्रांत परीक्षा + सत्रीय कार्य) मिलकर 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने अनिवार्य हैं। सत्रीय कार्य में अनुत्तीर्ण होने अथवा समय पर सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा ना करने की स्थिति में आपको अगले सत्र में उस नए सत्र और पिछले सत्र का सत्रीय कार्य भी जमा होगा।

सत्रीय कार्य का महत्त्व

1. प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंको का है और इसमें दिए गए प्रश्न निर्धारित खंडों के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। इसमें प्राप्त अंकों का 20 प्रतिशत सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों से जुड़कर आपको बड़ी सफलता दिलाने में सहायक साबित होगा।
2. सत्रीय कार्य के अंकों के 20 प्रतिशत और सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के 80 प्रतिशत को मिलाकर इस पाठ्यक्रम में आपकी सामग्रिक उपलब्धि का मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम व सत्रीय कार्य प्रश्नावली की रूप - रेखा

कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध बी.ए. कार्यक्रम के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का अवलोकन करें।
बी.ए. कार्यक्रम के इस पर्याय (semester) में निर्धारित पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं –

बी.ए.एच.डी. कोर कोर्स – 5 (BAHD CC – 5)	: 6 क्रेडिट के लिए 2 प्रश्नपत्र
बी.ए.एच.डी. कोर कोर्स – 6 (BAHD CC – 6)	: 6 क्रेडिट के लिए 2 प्रश्नपत्र
बी.ए.एच.डी. कोर कोर्स – 7 (BAHD CC – 7)	: 6 क्रेडिट के लिए 2 प्रश्नपत्र

विश्वविद्यालय के नियमानुसार हर 4 क्रेडिट कोर्स के लिए एक प्रश्नपत्र होगा और 6 और 8 क्रेडिट कोर्स के लिए दो प्रश्नपत्र होंगे ।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामाग्री को कितना पढ़ा – समझना है और उसका विवेचन – विश्लेषण व मूल्यांकन करने की कितनी क्षमता अर्जित की हैं।

सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका कैसे तैयार करेंगे

1. उत्तर के लिए फुलस्केप आकार के कागज का ही इस्तेमाल करें।
2. उत्तर स्पष्ट और साफ़ लिखे।
3. निर्देशों को पढ़कर उसी के अनुसार उत्तर दे।
4. पूछे गए प्रश्नों के आधार पर उत्तर दे, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर से इतर कुछ ना लिखें।

उत्तर पुस्तिका के आवरण पृष्ठ यानि पृष्ठ संख्या - 1 का नमूना नीचे दिया जा रहा हैं -

अनुक्रमांक .....

नाम .....

पता .....

कार्यक्रम का नाम .....

पाठ्यक्रम शीर्षक .....

सत्रीय कार्य कोड .....

अध्ययन केंद्र का नाम तथा कोड .....

हस्ताक्षर .....

दिनांक .....

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा करने की अंतिम तिथि का विवरण

क्रम सं	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	खंड सं	क्रेडिट	अंतिम तिथि	दिन
1.	बी.ए.एच.डी.सी.सी – 5	अनुवाद सिद्धांत	1,2,3	06	28 फरवरी 2021	रविवार
2.	बी.ए.एच.डी.सी.सी – 5	अनुवाद सिद्धांत	4,5		28 फरवरी 2021	रविवार
3.	बी.ए.एच.डी.सी.सी – 6	हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास)	1,2	06	28 फरवरी 2021	रविवार
4.	बी.ए.एच.डी.सी.सी – 6	हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास)	3,4		28 फरवरी 2021	रविवार
5.	बी.ए.एच.डी.सी.सी – 7	हिन्दी कथा साहित्य (कहानी)	1,2	06	28 फरवरी 2021	रविवार
6.	बी.ए.एच.डी.सी.सी – 7	हिन्दी कथा साहित्य (कहानी)	3,4		28 फरवरी 2021	रविवार

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिन्दी)

तृतीय वर्ष पर्याय (Semester) – 3

सत्रीय कार्य – 1

सत्र – जलाई 2020

पाठ्यक्रम का नाम : अनुवाद सिद्धांत

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.सी.सी – 5

खंड – (01,02,03 पर आधारित) **पूर्णांक – 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें।]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। **(1x10=10)**

क. विल्स के अनुसार अनुवाद में भाषा के अतिरिक्त कौन सा पक्ष महत्वपूर्ण होता है ?
ख. पाठधर्मी अनुवाद किसपर आधारित होता है ?
ग. ईसा मसीहा कहाँ के थे, एवं उनकी भाषा कौन सी थी ?
घ. भर्तृहरि के अनुसार अनुवाद की परिभाषा क्या है ?
ङ. समभासिक अनुवाद का अर्थ क्या है ?
च. अनुवाद और मूलरचना में मुख्य अंतर क्या है ?
छ. किसके अनुसार अनुवाद में भाषा का पक्ष सर्वाधिक महत्वपूर्ण है ?
ज. अनुवाद में समतुल्यता को किसने जरूरी माना है ?
झ. अनुवाद की समभासिक प्रकृति का सम्बंध कितनी भाषा से होती है ?
ञ. अनुवाद का अर्थ क्या हैं ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। **(5x4=20)**

क. अनुवाद क्या है ?
ख. अनुवाद के संदर्भ में नाइडा का क्या विचार है ?
ग. शव्दानुवाद एवं भावानुवाद में अंतर स्पस्ट कीजिये।
घ. अनुवाद में समतुल्यता का अर्थ स्पस्ट कीजिये।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। **(10x4=40)**

क. अनुवाद के विभिन्न क्षेत्र के संबंध में टिप्पणी लिखिए।
ख. छायानुवाद एवं व्याख्यानुवाद को स्पस्ट करते हुए दोनों में अंतर स्पस्ट कीजिये।
ग. साहित्यिक अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिये।
घ. पीटर न्यूमार्क द्वारा प्रस्तुत अनुवाद प्रक्रिया के ऊपर चर्चा कीजिये।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। **(15x2=30)**

क. भारतीय परिदृश्य में अनुवाद की परम्परा क्या है ? समझाइए।
ख. अनुवाद के प्रकारों के ऊपर चर्चा कीजिए।

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिन्दी)

तृतीय वर्ष पर्याय (Semester) – 3

सत्रीय कार्य – 2

सत्र – जलाई 2020

पाठ्यक्रम का नाम : अनुवाद सिद्धांत

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.सी.सी – 5

खंड – (04,05 पर आधारित) **पूर्णांक – 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें।]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। **(1x10=10)**

क. भाषा की प्रकृतिगत सीमा का संबंध किससे होता है ?
ख. पारिभाषिक शव्दावली किसे कहते हैं ?
ग. १९६१ अक्टूबर मे भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने किसकी स्थापना की थी ?
घ. शव्दो के ग्रहण करने की प्रक्रिया क्या है ?
ङ. प्रयुक्तिपरक शव्द क्या है ?
च. ऑनलाइन मार्कटिंग की शुरुआत कब और किसने की ?
छ. सन् १९९८ में बिज्ञापन के प्रमुख माध्यम क्या थे ?
ज. कीथ डेविस के अनुसार संचार क्या है ?
झ. संविधान में संघ की सरकारी भाषा का उल्लेख कौन सी धारा में है ?
ञ. राजभाषा हिन्दी के विकास के लिए कौन सी अनुच्छेद में निर्देश दिये गए हैं ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। **(5x4=20)**

क. भारतीय साहित्य के माध्यम में अनुवाद के महत्व स्पष्ट कीजिए।
ख. सामान्य शव्द और पारिभाषिक शव्द में अंतर स्पष्ट कीजिए।
ग. विज्ञापन में अनुवाद की महत्ता स्पष्ट कीजिए।
घ. बहुभाषी समाज से संचार करने में अनुवाद की भूमिका पर चर्चा करें।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। **(10x4=40)**

क. अनुवाद की सीमाएं क्या है ? उदाहरण सहित बताइये।
ख. पारिभाषिक शवदावली की विकास प्रक्रिया पर चर्चा कीजिए।
ग. संचार क्या है बताते हुए उसके माध्यम व उद्देश्य पर चर्चा कीजिए।
घ. राजभाषा संबन्धित अनुच्छेदों को समझाते हुए संघ की राजभाषा हिन्दी के विकाश हेतु निर्मित अनुच्छेदों पर विस्तार से चर्चा कीजिये।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। **(15x2=30)**

क. अनुवाद के महत्व पर विस्तार से चर्चा कीजिए।
ख. कोश को परिभाषित करते हुए उसके प्रकार, उपयोग एवं महत्व के उपर चर्चा कीजिए।

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिन्दी)

तृतीय वर्ष पर्याय (Semester) – 3

सत्रीय कार्य – 1

सत्र – जलाई 2020

पाठ्यक्रम का नाम : हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास)

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.सी.सी – 6

खंड – (01,02 पर आधारित) **पूर्णांक – 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें।]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। **(1x10=10)**

क. आर्य समाज की स्थापना किसने और कब की थी ?
ख. राष्ट्रीय स्वतन्त्रता का प्रथम संग्राम कब हुआ था ?
ग. भाग्यवती उपन्यास के उपन्यासकार कौन हैं ?
घ. छायावाद के माध्यम से कब राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना को सशक्त वाणी मिली?
ङ. जलव-ए-ईसार की समय - सीमा क्या है ?
च. प्रेमचंद का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
छ. मृदुला गर्ग के उपन्यासों का केन्द्रीय विषय क्या है ?
ज. सूर्यवाला के उपन्यास 'मेरे सन्धि पत्र' में किसके व्यक्तित्व को केंद्र में रखा गया है ?
झ. मैत्रेय पुष्पा के अनुसार स्त्री विमर्श की परिभाषा क्या है ?
ञ. नेमिचन्द के अनुसार स्त्री विमर्श की परिभाषा क्या है ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। **(5x4=20)**

क. हिन्दी उपन्यास के उदय में नवजागरण के योगदान पर संक्षिप्त चर्चा कीजिये।
ख. प्रेमचन्द के उर्दू कहानियों के ऊपर चर्चा कीजिए।
ग. स्त्री विमर्श से क्या तात्पर्य है ?
घ. तिलस्मी और जासूसी उपन्यास के बारे में संक्षिप्त टिप्पणी दीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। **(10x4=40)**

क. नवजागरण में विभिन्न सामाजिक सांस्कृतिक सुधार आन्दोलनों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
ख. प्रेमचन्द के वैचारिक साहित्य के ऊपर सविस्तार चर्चा कीजिए।
ग. हिन्दी के आरम्भिक उपन्यासों में नवजागरण की अभिव्यक्ति क्या है? स्पस्ट किजिए।
घ. प्रेमचन्द की जीवन दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। **(15x2=30)**

क. प्रेमचन्द की काव्य भाषा पर चर्चा करें।
ख. स्त्री विमर्श को परिभाषित करते हुए उसके अवधारणा पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिन्दी)

तृतीय वर्ष पर्याय (Semester) – 3

सत्रीय कार्य – 2

सत्र – जलाई 2020

पाठ्यक्रम का नाम : हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास)

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.सी.सी – 6

खंड – (03,04 पर आधारित) **पूर्णांक – 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें।]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। **(1x10=10)**

क. गबन का प्रकाशन किस वर्ष हुआ था ?
ख. गबन के दो पात्रों के नाम बताइये।
ग. उपन्यास का मूलतत्व क्या है ?
घ. रमानाथ किसका पुत्र हैं ?
ङ. मन्नू भण्डारी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
च. आपका बँटी के लेखक कौन हैं ?
छ. मैं हार गयी कहानी संग्रह में कुल कितने कहानीयां है ?
ज. मन्नू भण्डारी के कुल कितने उपन्यास हैं ?
झ. मन्नू भण्डारी के नाटकों के नाम बताइये ।
ञ. बँटी के माता – पिता का क्या नाम हैं ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। **(5x4=20)**

क. गबन कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।
ख. गबन में राष्ट्रिय आंदोलन के चित्रण का ऐतिहासिक संदर्भ स्पष्ट कीजिए।
ग. कहानीकार के रुप में मन्नू भन्डारी का परिचय दीजीए।
घ. आपका बँटी उपन्यास का संक्षिप्त सारांश प्रस्तुत कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। **(10x4=40)**

क. गबन उपन्यास और रष्ट्रीय आंदोलन में मध्यवर्ग की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
ख. कथानक में झूठे मुकदमे की कथा को जोड़ने के पीछे प्रेमचंद का क्या उद्देश्य था ?
ग. आपका बँटी में सकुम एवं अजय का चरित्र चित्रण कीजिए।
घ. आपका बँटी की कथावस्तु पर चर्चा कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। **(15x2=30)**

क. गबन की कथावस्तु स्पष्ट करते हुए उसका मूल्यांकन कीजिए।
ख. मन्नू भण्डारी की प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिन्दी)

तृतीय वर्ष पर्याय (Semester) – 3

सत्रीय कार्य – 1

सत्र – जलाई 2020

पाठ्यक्रम का नाम : हिन्दी कथा साहित्य (कहानी)

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.सी.सी – 7

खंड – (01,02 पर आधारित) **पूर्णांक – 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें।]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। **(1x10=10)**

क. उसने कहा था कहानी के कहानीकार कौन हैं ?
ख. सूबेदारनी कहानी में कितनी बार आती है ?
ग. किस कहानी में पूर्वदीप्ति शैली का प्रयोग हुआ हैं ?
घ. 'मजदूरी हम करें मज़ा दूसरे लूटे' इस कथन का तात्पर्य क्या है ?
ङ. हल्कु ने ठंड से बचने के लिए खेत मे क्या किया?
च. हल्कु खेत को बचाने लिए क्यूँ नहीं उठता ?
छ. आवाज़ तेरी है किसकी कविता संग्रह है ?
ज. मुगलों ने सल्तनत बख्श दी कहानी के कहानीकार का नाम क्या हैं ?
झ. वापसी कहानी के लेखक कौन हैं ?
ञ. गजाधर बाबू क्यूँ घर लौट रहे थे ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। **(5x4=20)**

क. लहना सिंह के प्रति सूबेदारनी की भवना को अपने शव्दों में व्यक्त कीजिए।
ख. सूबेदार की आर्थिक परिस्थिति का चित्रण कीजिए।
ग. हल्कु की चारित्रिक विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।
घ. वापसी कहानी का मूल्यांकन कीजिये।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। **(10x4=40)**

क. उसने कहा था कहानी के आधार पर लहना सिंह और सूबेदारनी का चरित्र चित्रण कीजिए।
ख. प्रेमचंद का परिचय देते हुए पुस की रात कहानी के उद्देश्य स्प्स्ट कीजिए।
ग. वापसी कहानी का सारांश लिखिए।
घ. राजेंद्र यादव और उनकी कथा साहित्य के ऊपर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। **(15x2=30)**

क. पुष की रात कहानी की कथावस्तु स्पष्ट करते हुए उसका मूल्यांकन कीजिए।
ख. पुरस्कार कहानी का शिल्प पक्ष प्रस्तुत कीजिए।

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिन्दी)

तृतीय वर्ष पर्याय (Semester) – 3

सत्रीय कार्य – 2

सत्र – जलाई 2020

पाठ्यक्रम का नाम : हिन्दी कथा साहित्य (कहानी)

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.सी.सी – 7

खंड – (03,04 पर आधारित) **पूर्णांक – 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें।]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। **(1x10=10)**

क. मानसरोवर का प्रकाशन सारिका पत्रिका मे कब हुआ था ?
ख. इतने अच्छे दिन कब प्रकाशित हुई ?
ग. भोलारम के जीव के रचनाकर का नाम क्या हैं ?
घ. शैलेश मटियानी के दो उपन्यासों के नाम लिखिए।
ङ. पोस्टमैन कहानी के कहानीकार कौन हैं ?
च. नई कहानी आंदोलन की शुरुआत कब हुई ?
छ. निहालचन्द्र के जीवन का वर्णन किस कहानी में है ?
ज. निर्मल वर्मा के दो रचनाओ के नाम बताइये।
झ. पंचलाइट कहानी के दो पात्रों के नाम लिखिए।
ञ. फनेश्वर नाथ रेणु का जन्म कब हुआ था ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। **(5x4=20)**

क. मानसरोवर के हंस कहानी की कथावस्तु लिखिए।
ख. कमलेश्वर का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कहानियों में चित्रित समाज का चित्रण कीजिए।
ग. निर्मल वर्मा की कहानियों का मूल स्वर क्या है ?
घ. पोस्टमैन कहानी का विषयवस्तु लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। **(10x4=40)**

क. भोलारम का जीव कहानी के कहानीकार की सामाजिक परिवर्तन के प्रति बद्धता को स्पष्ट कीजिए।
ख. पंचलाइट की कथावस्तु लिखिए।
ग. सुबह की सैर कहानी का संक्षिप्त सार लिखिए।
घ. भोलारम का जीव में भ्रष्ट राजनीति को पस्तुत कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। **(15x2=30)**

क. भाषा और शिल्प की दृष्टि से 'भोलारम का जीव' की समीक्षा कीजिए।
ख. रेणु का परिचय देते हुए पंचलाइट कहानी की कथावस्तु स्पष्ट कीजिए।